meaningful. The Participation of Workers in Management Bill was, therefore, drawn up and introduced in the Rajya Sabha on May 30, 1990 to make provisions for the Participation of workers in management of undertakings, establishments or other organisations engaged in any industry and to provide for matters connected therewith or incidental thereof. The Bill has been referred to the Parliamentary Standing Committee on Labour and Welfare for examination and report.

उत्तर प्रदेश में विकास केन्द्र

*89. श्री मनोहर कान्त ध्यानी: क्या उद्योग मंत्री 7 दिसम्बर 1998 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 830 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पौड़ी गढ़वाल जिले के लिए विकास केन्द्र की परियोजना रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार से प्राप्त हो चुकी है;

(ख) क्या सरकार द्वारा उसके लिए अनुमोदन/स्वीकृति दे दी गई है;

(ग) क्या सरकार ने इस मामले में शीघ्रता करने के लिए राज्य सरकार को कोई निर्देश दिया है; और

(घ) यदि हां, तो कब; और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) जी, नहीं।

(ख) यह प्रश्न नहीं उठता।

(ग) जी, हां।

(घ) इस संबंध में अनेक अनुस्मारक-पत्र भेजे गये हैं, अंतिम अनुस्मारक-पत्र 10 दिसम्बर, 1998 को भेजा गया है।

नई दिल्ली नगर परिषद् की भूमि पर अवैध अतिक्रमण

*90. श्री मुनव्वर हसन: क्या शहरी कार्य और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) नई दिल्ली नगर परिषद् की उस भूमि का ब्यौरा क्या है जिस पर अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया है;

(ख) उक्त भूमि पर कब से अतिक्रमण किया गया है तथा भूमि को खाली कराने के लिए नगर परिषद् द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) सरकार द्वारा नगर परिषद् की भूमि से अवैध अतिक्रमणों को कब तक हटा दिया जाएगा?

शहरी कार्य और रोजगार मंत्री (श्री राम जेठमलानी): (क) नई दिल्ली नगर परिषद् से प्राप्त सूचना के अनुसार एन डी एम सी भूमि पर 6 झुग्गी-झोपड़ी समूह हैं जिन्होंने निम्नलिखित विवरण के अनुसार 2.3 हैक्टेयर भूमि पर अतिक्रमण किया हुआ है।

(i) महर्षि दयानंद कैम्प, चाणक्यपुरी पुलिस स्टेशन के पीछे

(ii) मान सिंह रोड

(iii) धोबी घाट सं॰ 15, साउथ एवेन्यू मार्किट

(iv) बंगाली कैम्प, ईस्ट किदवई नगर

(v) अर्जुन दास कैम्प, वैस्ट किदवई नगर

(vi) एस डी मंदिर के पीछे, नौरोजी नगर मार्किट।

इसके अतिरिक्त उनकी भूमि में अतिक्रमण के दो और मामले हैं (i) श्री अरविन्दो मार्ग में, सफदरजंग हवाई अड्डे के सामने (ii) ए और बी ब्लाक के बीच इंडियन कापी हाउस के निकट, इम्पीरियम बिल्डिंग, बाबा खड़गसिंह मार्ग

(ख) और (ग) रिपोर्ट अनुसार मान सिंह रोड पर झुग्गी झोपड़ी समूह को छोड़कर सभी झुग्गी झोपड़ी समूह 31.1.1990 से पहले मौजूद थे। मान सिंह रोड पर झुग्गी झोपड़ी समूह 1990 के बाद बना। श्री अरविन्दो मार्ग पर और बाबा खड़ग सिंह मार्ग पर अन्य दो अधिक्रमण की क्रमशः 1982 और 1992 से मौजूद थे और न्यायालय के रोक आदेश के कारण नहीं हटाए जा सके थे। मान्य झुग्गी-झोपड़ी समूहों को उनके पुनर्वास के लिए वैकल्पिक स्थल उपलब्ध होने पर एम सी डी के स्लम विकास के जरिए राष्ट्र राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा हटाया और पुनर्वास किया जाता है।

भारतीय इस्पात प्राधिकरण को हुआ घाटा

*91. श्री डी॰ पी॰ यादव: क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण को वर्ष 1998 के दौरान करोड़ों रुपए का घाटा हुआ है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण ने इस्पात पर आयात शुल्क में वृद्धि करने की मांग की है; और

(घ) यदि हां, तो किस सीमा तक?

इस्पात तथा खान मंत्री (श्री नवीन पटनायक): (क) और (ख) वर्ष 1997-98 में स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि० (सेल) को 149 करोड़ रुपए का लाभ हुआ था। फिर भी, चालू वर्ष अर्थात् 1998-99 में दिसम्बर तक सेल को 890 करोड़ रुपए की हानि हुई।

सेल के लाभ में गिरावट के मुख्य कारणों में इस्पात की मांग में मंदी, अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों के कम होने के कारण आयात से अत्यधिक प्रतिस्पर्धा और घरेलू बाजार में पूर्ति में वृद्धि आदि शामिल हैं जिसके फलस्वरूप घरेलू बाजार में बिक्री से निवल प्राप्ति में गिरावट आई। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार आदि में निर्यात मूल्यों में भी कमी हुई।

सेल ने दुर्गापुर, राउरकेला और बोकारो स्थित अपने संयंत्रों के आधुनिकीकरण हेतु अत्यधिक निवेश किया है। आधुनिकीकरण के लाभ चरणों में प्राप्त होंगे जबकि आधुनिकीकरण/पूंजीगत योजनाओं के पूंजीकरण और उच्च माल सूची स्तर बनाए रखने के कारण सेल को पूंजी से संबद्ध उच्च लागत (ब्याज और मूल्य ह्रास) को समाहित करना पड़ा।

(ग) और (घ) भारतीय उद्योग परिसंघ, जिसमें सेल सहित प्रमुख इस्पात उत्पादक शामिल हैं, के संरक्षण में इस्पात उद्योग प्रभाग ने 1999-2000 के बजट में परिसज्जित लोहा और इस्पात उत्पादों पर 5 से 10% के बीच सीमा शुल्क बढ़ाने का सुझाव दिया है।

Performance of Salem Steel Plant

*92. SHRI V.P. DURAISAMY: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) the financial performance of Salem Steel Plant for the last three years;

(b) whether Government have any plan to modernise this plant;

(c) if so, the details thereof; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI NAVEEN PATNAIK): (a) The financial performance of Salem Steel Plant (SSP) for the last three years is as under:—

Year	Profit/Loss(−)/ (Rs. in Crores)
1995-96	4.15
1996-97	(−) 37.62
1997-98	(−) 119.70

(b) to (d) There is no plan for modernisation of SSP at present due to sluggish market demand for stainless steel.

Import of Tea from Sri Lanka

*93. SHRI O.P. KOHLI: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news-item captioned Import of tea from Sri Lanka at concessional rates opposed appearing in the Statesman dated 29th January, 1999; and

(b) if so, Government's reaction to the views expressed by the Chairman of the Indian Tea Association in the said news clipping?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI RAMAKRISHNA HEGDE): (a) and (b) Yes, Sir. The Government is aware of the newspaper report and has also received representation of Indian Tea Association. The ITA has objected to granting of unilateral tariff concession on import of tea from Sri Lanka and has stated that it will hit the Indian tea industry adversely. It has further stated that the Indian industry is subject to State and Central taxes whereas the imports of tea under the FTA will be duty free and thus will leave no level playing field to Indian tea manufacturers.

The tariff concessions under the Indo-Sri Lanka Free Trade Agreement for any good/commodity shall be available only on the Basic Custom Duty. No concession shall be available on the duty component on Special Custom Duty, Sspcial